18

मिलकर पढ़िए

कितनी प्यारी है ये दुनिया

मुझे हवा प्यारी लगती है ...
और सूरज और बारिश भी।



मुझे धरती प्यारी लगती है ...
और समुद्र और आसमान भी।

मुझे चिड़ियाँ प्यारी लगती हैं ...
और जानवर और मछलियाँ भी।

Reprint 2026-27

मुझे फूल प्यारे लगते हैं ...
और फल भी।



मुझे अपनी किताबें अच्छी लगती हैं ...
और अपने कपड़े, अपने खिलौने भी।



मुझे माँ और बापू प्यारे लगते हैं...
और अपने भाई और बहन भी।



मुझे सारी दुनिया प्यारी लगती है।

– जयंती मनोकरन

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आपको इनमें से क्या-क्या अच्छा लगता है और क्यों –

हवा बारिश फल फूल खिलौने धरती

2. इसके अतिरिक्त आपको क्या अच्छा लगता है?

नीचे दिए गए वाक्य को पूरा कीजिए –

मुझे अच्छे लगते हैं .....

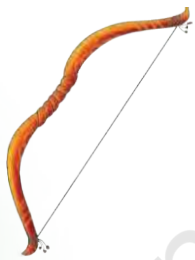
अपने मित्रों से भी पूछिए कि उन्हें क्या अच्छा लगता है?

3. कहानी में आए 'प्यारी' शब्द पर गोला लगाइए और लिखिए –

....

शब्दों का खेल

अपने शिक्षक की सहायता से नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए। पहली ध्वनि पहचानिए –


धनुष


फूल


खेल

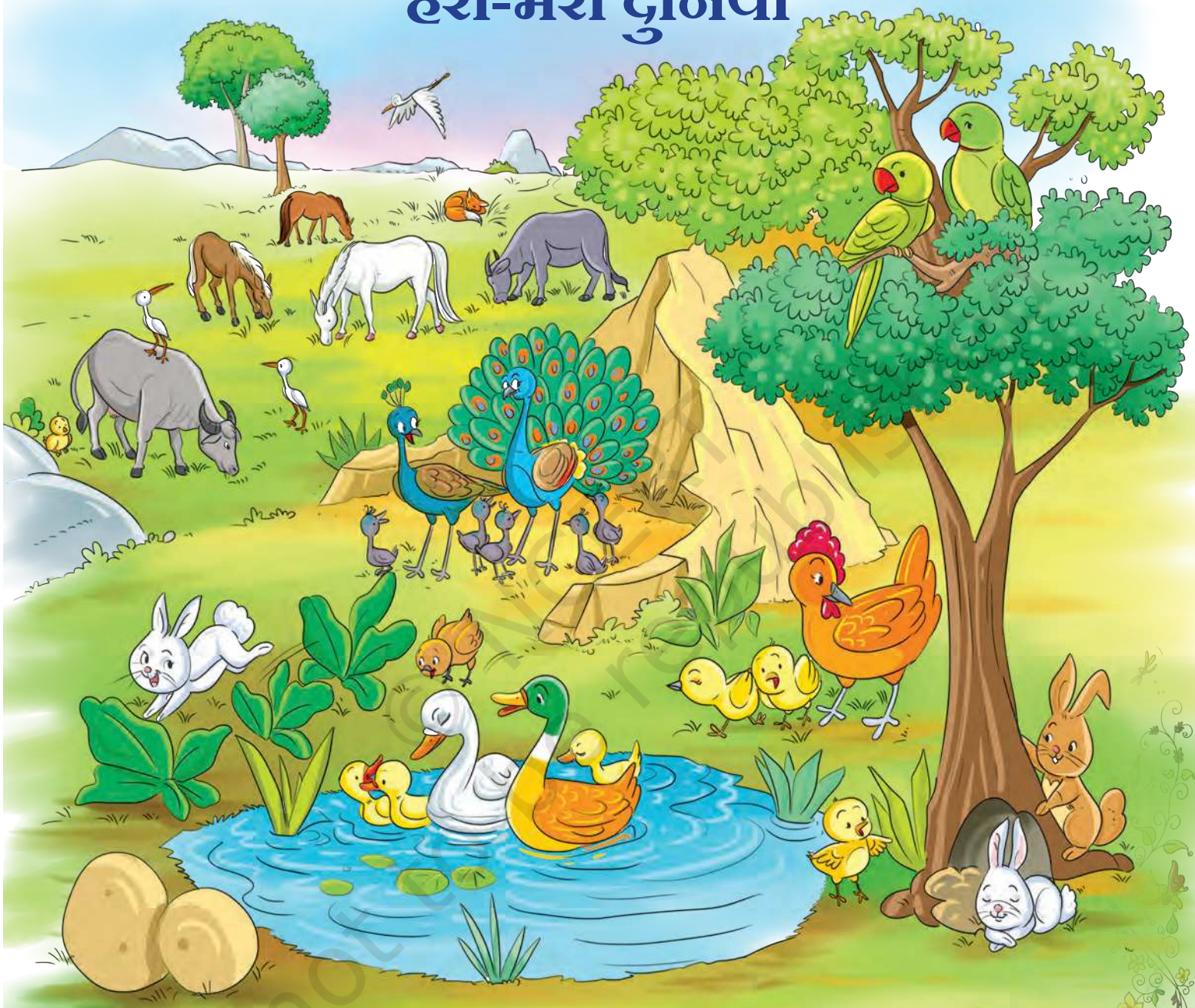

फल


खिलौना

'ख', 'फ' और 'ध' की ध्वनियों वाले अन्य शब्द बताइए। ये ध्वनियाँ शब्द में कहीं भी हो सकती हैं।

© NCERT not to be republished

हरी-भरी दुनिया



शिक्षण-संकेत – बच्चों को चित्र देखने के लिए पर्याप्त समय दें और चित्र से संबंधित बातचीत करें। बातचीत के कुछ बिंदु इस प्रकार हो सकते हैं – 1. चित्र में सबसे हास्यजनक/मनोरंजक बात आपको क्या लगी और क्यों? 2. खरगोश चूजों को क्यों नहीं खोज पा रहा है? 3. बगुले और भैंस में मित्रता कैसे हुई होगी? बच्चों को इस चित्र के आधार पर कुछ प्रश्न स्वयं बनाने और अपने मित्रों से पूछने के लिए प्रोत्साहित करें।

Reprint 2026-27



शब्दों का खेल

1. चित्र पहचानकर नाम लिखिए –



.....



.....

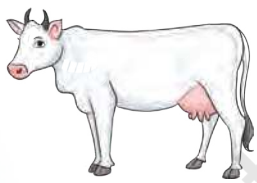


.....



.....

2. चित्र देखकर नाम बताइए और पढ़ने का प्रयास कीजिए –



गाय



वन



वर्षा



धनुष

शिक्षण-संकेत – चित्रों की सहायता से बच्चों को 'य', 'व' और 'ष' अक्षर की ध्वनियों और आकृतियों से परिचित कराएँ। बच्चों से इन ध्वनियों से बनने वाले शब्द भी पूछें।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27